शनिवार

13 जून 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 140
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

REST IN PEACE

JASPAL RANA

One of the greatest sporting legends in the history of India & Uttarakhand.

BISTRO Passion for Food

A small tribute from the Tbistro family to one of our oldest and most cherished Customer.
We will Miss you

BISTRO SPORTS BAR

दून वैली मेल

संपादकीय

देश से बड़ी सत्ता?

देश और देशवासियों को अच्छे दिन लाने का भरोसा देकर जब भाजपा ने प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनाई थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार संसद पहुंचे थे तो उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर माथा टेककर दंडवत प्रणाम किया था। उनकी उस तस्वीर को देखकर देशवासियों को न सिर्फ वह भरोसा और मजबूत हुआ था कि वह देश व देशवासियों की अगर तकदीर नहीं बदल पाए तो कम से कम उनके जीवन की मुश्किलों को कुछ आसान तो जरूर कर देंगे। यही नहीं वह देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाएंगे और लोकतंत्र को भी अधिक सबल बनाएंगे। उनका कहना था कि न खाऊंगा न खाने दूंगा, न सोऊंगा न सोने दूंगा। यानी उनकी सरकार में व्यभिचार और भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह नहीं होगी किसानो की आए दो गुना करने तथा महंगाई को नियंत्रण में लाने तथा बेरोजगारों को रोजगार देने जैसी बातें उनकी प्राथमिकता में शामिल थी। यह सब कुछ सरकार को 5 सालों में ही करना था लेकिन अब उनके लगातार तीसरी बार तक सत्ता में बने रहने और सबसे अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद आम आदमी इस बात को सोचने पर विवश है कि उनके 12 साल के शासनकाल में उसकी दिशा और दशा में क्या कुछ सुधार आया है और क्या कुछ बदला है। भले ही वर्तमान स्थितियों और परिस्थितियों में कोई सत्ता से यह सवाल पूछने की हिम्मत न जुटा सकता हो और उनकी तथा सरकार की कोई जवाब देही न रही हो लेकिन आम लोगों की सोच पर सत्ता का कोई नियंत्रण संभव नहीं है। वह खुद ही सवाल भी कर रहे हैं और सरकार के कामकाज तथा तौर तरीकों के आधार पर यह तय भी कर रहे हैं कि भाजपा व मोदी सरकार के सपने का फैसला कितना गलत और सही था। वर्तमान दौर में जो एक सवाल भाजपा के नेताओं द्वारा उछाला जा रहा है कि अगर सरकार ने कुछ नहीं किया तो जनता उसे लगातार वोट देकर जिता क्यों रही है? इस सवाल का जवाब भी अब आम जनता तो जान ही चुकी है अनभिज्ञ तो सत्ता में बैठे वह नेता भी नहीं है जो प्रधानमंत्री मोदी के संसद सत्र में पहुंचने पर खड़े होकर मेजे थपथपा कर मोदी-मोदी के नारे लगाते हैं जिन्होंने संसद की कार्यशैली से लेकर संवैधानिक संस्थाओं के विधान और संविधान तक को अपने अनुकूल बना लिया है। देश के वह किसान जो सालों सालों तक सड़कों पर धरने प्रदर्शनों के बाद भी सरकार करे अपने एमएसपी के कानूनी अधिकार बनाने की बात नहीं मनवा पाये तथा तीन काले कानूनों को रोकने के लिए जान गवांने तक की हद तक डटे रहे। वह बेरोजगार जो परीक्षाएं देकर ओवर ऐज हो गए तथा उनकी सारी मेहनत पेपर लीक की कुव्यवस्था ने लील ली। वह आम आदमी जिसने अपने घर का सोना भी पेट की भूख के लिए गिरवी रख दिया फिर भी उसकी भूख नहीं मिट पाई। भले ही सरकार आज भी पांच ट्रिलियन वाली इकोनामी वाला देश और विकसित राष्ट्र बनाने का खूब जोर-जोर से प्रचार कर रहा हों और विकास की गाड़ी आंकड़ों में सरपट दौड़ रही हो लेकिन अब इसका सच भी सभी जान चुके हैं। पीएम केयर फंड जिसकी कोई जानकारी लेने का हक किसी को नहीं और वह इलेक्ट्रॉलक बाण्ड जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक बता कर रदद कर चुकी हो उसके भ्रष्टाचार का सच भी सभी जान चुके हैं। यही कारण है लोग अब पूछ रहे हैं कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए राष्ट्र से ज्यादा जरूरी सत्ता क्यों हो चुकी है? क्या अब देश को लोकतंत्र और संविधान की जरूरत ही नहीं रह गई है? अथवा देश तानाशाही व्यवस्था की ओर कदम बढ़ा चुका है? ढेरो सवाल है जिनका जवाब आने का इंतजार यह देश कर रहा है।

भारतीय वायु सेना का विमान क्रैश, 5 जवान शहीद

हमारे प्रतिनिधि

जोरहट। असम में स्थित जोरहाट एयर फ़ोर्स स्टेशन पर बड़ा हादसा हो गया। शनिवार सुबह एयर फ़ोर्स स्टेशन पर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ़्ट क्रैश हो गया और उसमें आग लग गई, जिससे पाँच कर्मियों की मौत हो गई। वायु सेना ने इस हादसे में पाँच लोगों की मौत की पुष्टि की और घटना की जानकारी दी।

हादसे में जान गंवाने वाले कर्मियों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ़्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम के तौर पर की गई है। को-पायलट बच गया है और इलाज चल रहा है। भारतीय वायु सेना ने क्रैश के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ़ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय वायु सेना के लिए एक अहम ट्रांसपोर्ट और फ्रंटलाइन ऑपरेशन बेस है। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, एयरबेस पर लैंडिंग के कुछ ही देर बाद एयरक्राफ़्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना वाली जगह से सामने आई तस्वीरों में एएन-32 बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिख रहा है और आस-पास मलबा बिखरा हुआ है।

सरहद के प्रहरी 140 करोड़ का विश्वास: राष्ट्रपति

❑आईएमए की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सलामी ली

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में आयोजित पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित और 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड की समीक्षा की

●481 भारतीय, 16 मित्रदेशों के 34 विदेशी कैडेट बने सैन्य अधिकारी, 9 महिला कैडेटों ने रचा इतिहास

और नवप्रशिक्षित सैन्य अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने पास आउट होने वाले कैडेट्स को भारत माता की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में सभी कैडेट्स को सफल प्रशिक्षण के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रशिक्षण देने वाले अधिकारियों की मेहनत की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि यहां से केवल सैन्य प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि दया और करुणा जैसे मानवीय मूल्य भी मिलते हैं, जिन्हें अधिकारी आगे अपने सेवा जीवन में अपनाएंगे। उन्होंने सभी ऑफिसर कैडेट्स को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवा अधिकारियों से अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, गणमान्य अतिथि तथा बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनकर नवप्रशिक्षित अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया।

समारोह के दौरान पासआउट कैडेट्स पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की गई, जिससे पूरा माहौल उत्सव और गर्व से भर गया। इसके बाद तीन हेलीकाप्टरों ने भारतीय तिरंगा, सेना का ध्वज और आईएमए का ध्वज लेकर परेड ग्राउंड के ऊपर फ्लाईपास्ट किया।

आईएमए से पास आउट हुए देश-विदेश के 515 सैन्य अफसर

आज भारतीय सैन्य अकादमी में 158वीं पासिंग आउट परेड संपन्न हो गई है। इस बार कुल 515 अधिकारी कैडेट पास आउट हुए। इनमें 481 भारतीय अधिकारी कैडेट और 16 मित्र देशों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट शामिल हैं। पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस बार की पासिंग आउट परेड कई मायनों में ऐतिहासिक रही है। पहली बार आईएमए से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 9 महिला कैडेट्स भी परेड में कदमताल करती दिखीं। इन 9 महिला कैडेट्स ने एक वर्ष का कठोर सैन्य प्रशिक्षण पूरा किया है। अब यह अंतिम पग पार कर सेना का हिस्सा बन गई हैं।

देश को पहली बार आईएमए से मिलीं नौ महिला सैन्य अफसर

आईएमए में शनिवार को एक और इतिहास रचा गया। अकादमी की पासिंग आउट परेड में पहली बार नौ महिला सैन्य अफसर पासआउट होकर भारतीय सेना का हिस्सा बनीं। परेड का सबसे खास और ऐतिहासिक क्षण वह रहा, जब पहली बार आईएमए से प्रशिक्षित नौ महिला कैडेट्स सैन्य अफसर के रूप में पासआउट हुईं। इस वर्ष की पासिंग आउट परेड में शामिल 515 कैडेट्स में नौ महिला कैडेट्स सहित कुल 481 भारतीय कैडेट थे। इनके अलावा 16 मित्र देशों के 34 कैडेट्स ने भी प्रशिक्षण पूरा किया और अपने-अपने देशों की सेनाओं का हिस्सा बने। यह दूसरा अवसर है जब किसी महिला राष्ट्रपति ने आईएमए की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल भी परेड की सलामी ले चुकी हैं। इस बार की परेड ने न केवल 515 युवा अधिकारियों को सेना को सौंपा, बल्कि पहली बार नौ महिला सैन्य अफसरों के पासआउट होने के साथ भारतीय सैन्य इतिहास में एक नया अध्याय भी जोड़ दिया।

इस वर्ष की पासिंग आउट परेड में विभिन्न कोर्सों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित भी किया गया। स्वार्ड आफ आनर विशाल कुमार को मिला, जिन्होंने आरईजी कोर्स में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। प्रिंस राज को सिल्वर मेडल, तेजस भट्ट को ब्रान्ज मेडल, जबकि टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स में हृषभ मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा टीईएस कोर्स में करन पांडे और स्पेशल कमीशन में बोध राज थापा को भी सम्मान मिला। बांग्लादेश के कैडेट को बेस्ट फारेन कैडेट पुरस्कार दिया गया।

विकास कार्यों के लिए नगर पंचायत ने 5.12 करोड़ का बजट किया पारित

नई टिहरी(आरएनएस)। नगर पंचायत घनसाली की बोर्ड बैठक में इस वित्तीय वर्ष के लिए 5.12 करोड़ रुपये का वार्षिक बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बजट में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने, पार्क निर्माण, नालियों के निर्माण, मरम्मत, इंटरलॉक टाइल्स मार्गों के निर्माण और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। सभासदों ने नालियों की सफाई न होने पर रोष जताया।

मानसून से पहले विशेष अभियान चलाकर नालियों की सफाई करने की मांग फ्रखता से उठाई गई। नगर पंचायत अध्यक्ष बिष्ट ने लोक निर्माण विभाग को नगर पंचायत क्षेत्र के मोटर मार्गों के दोनों ओर इंटरलॉक टाइल्स लगाने और क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत जल्द करने को कहा। वन विभाग के अधिकारियों को बाजार के ऊपरी हिस्से में खड़े चीड़ के पेड़ों का पातन कराने, जल निगम को पेयजल पंपिंग योजना में तेजी लाने को कहा गया। बैठक में सभासदों ने जल संस्थान से नगर क्षेत्र की नालियों से पाइप हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई। विधायक शक्ति लाल शाह ने विभागीय अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। कहा कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है, ऐसे में सभी विभाग आपदा की दृष्टि से सतर्कता बरते। बैठक में ईओ संजय कापड़ी, सभासद गोविंद बड़ोनी, विनय राणा, विजय राणा, मोनिका सेमवाल, प्रियंका कुमाई, अरुण रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

पंचायतों से शुरू होगी तंबाकू मुक्त रुद्रप्रयाग की मुहिम

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद को तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने अभियान शुरू कर दिया है। प्रथम चरण में पुनाड़, कमेड़ा, लमेरी व डुंगरी ग्राम पंचायतों को पूरी तरह तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बृहस्पतिवार को जिला पंचायत सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में चारों ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों, सीएचओ और आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस दौरान पुनाड़ के ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह, कमेड़ा की ग्राम प्रधान ऊषा देवी, लमेरी की ग्राम प्रधान प्रतिभा व डुंगरी की ग्राम प्रधान विनायका भट्ट ने अपने गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यशाला में तंबाकू नियंत्रण अधिनियम की जानकारी देते हुए ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। तय हुआ कि इन चार ग्राम पंचायतों को मॉडल के रूप में विकसित करने के बाद अभियान का विस्तार अन्य पंचायतों में भी किया जाएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सोशल वर्कर दिगपाल कंडारी, बालाजी सेवा संस्थान देहरादून के डिविजनल कोऑर्डिनेटर अजीत सिंह, सुधांशु आदि मौजूद रहे।

यूओयू ने गोद लिया मणिगुह गांव

चमोली(आरएनएस)। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के कर्णप्रयाग क्षेत्रीय केंद्र ने रुद्रप्रयाग जिले के ग्राम मणिगुह को गोद लिया है। बृहस्पतिवार को वहां जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान माणिक लाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण, युवा और विद्यार्थी शामिल हुए।

यूओयू की सहायक क्षेत्रीय निदेशक प्रियंका लोहानी ने बताया कि विश्वविद्यालय इन गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के कार्यक्रम चलाएगा। शिक्षा हर समस्या का प्रभावी समाधान है। निदेशक प्रो. गिरीजा पांडेय ने युवाओं को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और रोजगार की जानकारी दी। पांडेय ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कुंजी है। डॉ. एसएन ओझा ने जैवविविधता और कृषि संरक्षण पर प्रकाश डाला। वहीं निदेशक प्रो. गिरिजा पांडेय ने कर्णप्रयाग के क्षेत्रीय केंद्र और अध्ययन केंद्र महाविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने व्यवस्थाओं, पत्रावलियों और पुस्तक भंडार का निरीक्षण किया।

मलेथा में बछड़े को उठा कर ले गया गुलदार

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मलेथा में बुधवार रात करीब 12 बजे गुलदार ने गाय के बछड़े को निवाला बना लिया। स्थानीय निवासी मोहन सिंह रावत के घर के आंगन में बंधे बछड़े को मारकर गुलदार करीब 15 फीट ऊंची छत पर ले गया। शोर मचाने पर गुलदार भाग गया लेकिन वह बार-बार घर के आस-पास आता रहा, तड़के करीब ढाई बजे गुलदार फिर आया और बछड़े को उठाकर ले गया।

इस घटना के बाद से स्थानीय लोगों में दहशत बनी हुई है। लोगों का कहना है कि मलेथा क्षेत्र में गुलदार बार-बार दिखाई दे रहा है। इससे बच्चों की सुरक्षा के संबंध में भी भय बना हुआ है। स्थानीय निवासी अनिल भट्ट ने बताया कि लोगों ने वन विभाग से गांव में पिंजरा लगाए जाने की मांग की है। उप वन क्षेत्राधिकारी एसपी बडोनी ने बताया कि बुधवार हुई को घटना के बाद क्षेत्र में पंचायत फॉक्स लाइट लगाई जा रही हैं साथ ही गश्त भी बढ़ाई गई है।

ट्राउट पालन से बदल रही पहाड़ की तस्वीर

बागेश्वर(आरएनएस)। पर्वतीय क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में बागेश्वर प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने कपकोट तहसील के जगथाना स्थित मत्स्य जीवी समिति द्वारा संचालित ट्राउट मछली पालन परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्लस्टर आधारित मत्स्य पालन मॉडल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि यह मॉडल विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मत्स्य पालन अब केवल एक पारंपरिक गतिविधि नहीं रह गया है, बल्कि कृषि के साथ आय का एक सशक्त एवं स्थायी स्रोत बनकर उभर रहा है। इससे स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार आने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिल रही है। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं और किसानों को इस व्यवसाय से जोड़ने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जाए, ताकि रोजगार के अवसरों का दायरा और व्यापक हो सके।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने क्षेत्र में उद्यानिकी तथा अन्य कृषि आधारित गतिविधियों की संभावनाओं पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने उद्यान विभाग को निर्देश दिए कि क्षेत्र में तीन से चार संभावित क्लस्टरों का चयन कर स्थानीय जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप फसलों की व्यवहार्यता का अध्ययन किया जाए तथा एक माह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए।

इस अवसर पर मत्स्य अधिकारी मनोज मियान ने परियोजना से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि जनपद की 20 समितियां वर्तमान में मत्स्य पालन व्यवसाय से जुड़ी हुई हैं और सामूहिक रूप से लगभग 70 लाख रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जगथाना मत्स्य जीवी समिति अकेले प्रतिवर्ष लगभग 12 लाख रुपये का शुद्ध लाभ कमा रही है, जो इस मॉडल की सफलता का प्रमाण है।

उन्होंने यह भी बताया कि ट्राउट मछली की बाजार में लगातार मांग बनी हुई है, जिसके चलते यह लगभग 500 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रही है। बढ़ती मांग और बेहतर मूल्य के कारण ट्राउट पालन पर्वतीय क्षेत्रों के किसानों और युवाओं के लिए लाभकारी व्यवसाय के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी सुभाष चंद्र लोहनी, ग्राम प्रधान पदम सिंह बघरी, चंदन सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन का मानना है कि यदि इस प्रकार के क्लस्टर आधारित मॉडल को व्यापक स्तर पर विकसित किया जाए तो पहाड़ों से पलायन रोकने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की जा सकती है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 140 लोगों ने कराई जांच

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तरायण फाउंडेशन और नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में पपरशैली में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। उत्तरायण अस्पताल के सहयोग से आयोजित शिविर में क्षेत्र के 140 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ओ.पी. यादव, वरिष्ठ जनरल सर्जन डॉ. के.पी. कुनियाल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मृणाल यादव, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा यादव तथा योग एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्सना कुनियाल ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। चिकित्सकों ने रोगियों को दवाओं के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी जानकारी दी। उत्तरायण फाउंडेशन के सचिव महिपाल सिंह पिलख्वाल ने बताया कि शिविर में जनरल सर्जरी, हृदय रोग, नेत्र रोग, योग एवं आयुर्वेद से संबंधित जांच और परामर्श सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

छात्राओं को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अल्मोड़ा(आरएनएस)। महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अल्मोड़ा पुलिस ने विक्टर मोहन जोशी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, एनटीडी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्राओं को साइबर सुरक्षा, महिला अधिकारों और विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में महिला कोतवाली प्रभारी जानकी भंडारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान अपर उपनिरीक्षक बीना दोसाद और महिला कांस्टेबल तुलसी गोस्वामी ने छात्राओं को सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, साइबर ठगी, मानव तस्करी, पोक्सो अधिनियम तथा महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। छात्राओं को विद्यालय आते-जाते समय या घर पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल 112 आपातकालीन हेल्पलाइन तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना देने की सलाह दी गई। पुलिस टीम ने डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, व्हाट्सएप और वीडियो कॉल के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी के तरीकों की जानकारी देते हुए छात्राओं को सतर्क रहने के लिए कहा। बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी या किसी अन्य सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर डराने-धमकाने या धनराशि की मांग करे तो घबराने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाओं से भी महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े अपराधों के प्रति समय-समय पर छात्राओं को जागरूक करने का अनुरोध किया गया। पुलिस अधिकारियों ने यातायात नियमों के पालन और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

उत्तर अमेरिका में गूंजी गायत्री चेतना, भारतीय संस्कृति के संदेश से प्रभावित हुए हजारों लोग

हरिद्वार(आरएनएस)। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज की आध्यात्मिक चेतना और भारतीय संस्कृति का संदेश इन दिनों उत्तर अमेरिका में व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। शांतिकुंज से भारतीय संस्कृति और युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के जन्मशताब्दी वर्ष का संदेश लेकर पहुंचे युवा प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने अपनी टीम के साथ अमेरिका के विभिन्न शहरों में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। इस दौरान वाशिंगटन, लॉस एंजेलिस, कैलिफोर्निया सहित अनेक शहरों में यज्ञीय आयोजन संपन्न हुए। शांतिकुंज प्रतिनिधिमंडल ने सिएटल (वाशिंगटन) और लॉस एंजेलिस में गायत्री परिजनों से भेंट कर जीवन मूल्यों, आत्मविकास और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कैलिफोर्निया में संचालित बाल संस्कारशालाओं के आचार्य-आचार्याओं से संवाद कर संस्कार निर्माण की गतिविधियों और भावी योजनाओं पर चर्चा की। लॉस एंजेलिस के एक स्थानीय परफॉर्मिंग आर्ट्स सेंटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में डॉ. पण्ड्या ने युगऋषि के विचारों और युग निर्माण मिशन की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में ला पाल्मा नगर के मेयर नितेश पटेल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. चिन्मय पण्ड्या एवं शांतिकुंज की टोली ने प्रस्तावित सोना प्रोजेक्ट का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन भी किया। वहीं गायत्री चेतना केंद्र, लॉस एंजेलिस में 51 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति एवं शांतिकुंज के युवा प्रतिनिधि डॉ. चिन्मय पण्ड्या को सिटी ऑफ आर्टेशिया की ओर से आधिकारिक सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें मेयर नितेश पटेल ने प्रदान किया। कार्यक्रम में अमेरिका के अनेक गणमान्य नागरिकों के साथ गायत्री परिवार के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

हेयर स्ट्रेटनिंग के बाद बालों का ऐसे रखें ख्याल

इन दिनों लड़कियों अपने बालों में अलग-अलग ट्रीटमेंट करवाती हैं, जिसमें से परमानेंट स्ट्रेटनिंग काफी पॉपुलर है। वैसे तो आप इसे घर पर ही स्ट्रेटनर की मदद से कर सकती हैं, लेकिन यह लंबे समय तक नहीं टिकता। अगर आप भी परमानेंट हेयर स्ट्रेटनिंग करवाना चाहती हैं आपको उसके बाद अपने बालों का खास ख्याल रखना पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि शुरू-शुरू में आपके बाल अच्छे लगते हैं मगर लंबे समय के बाद इनकी ठीक से केयर न करने की वजह से बाल ड्राय हो कर खराब दिखने शुरू हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि स्ट्रेटनिंग के बाद बालों का ख्याल कैसे रखें-

अपने स्ट्रेस किए हुए बालों को धूल और धूप से बचाना बेहद जरूरी है। क्योंकि सूरज की किरणें बालों को बुरी तरह से डैमेज कर सकती हैं। इसलिए घर से जब भी बाहर निकलें तब अपने बालों को पूरी तरह से कवर कर के ही निकलें।

ऐसे करें बालों में कंघी

हमेशा ध्यान रखें कि कभी भी गीले बालों में कंघी न करें। उन्हें सुलझाने के लिए हमेशा चौड़े दांतदार वाली कंघी का ही प्रयोग करें। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो आपके बाल टूट सकते हैं। हेयर स्ट्रेटनिंग करवाने के बाद बाल वैसे भी केमिकल की वजह से कमजोर पड़ जाते हैं।

इस पानी से धोएं बाल

बालों को धोने के लिए कभी भी गर्म पानी का भूलकर भी यूज न करें। इससे आपके बालों की नमी खत्म हो जाती है। इसीलिए बालों को ठंडे पानी या फिर नॉर्मल पानी से ही वॉश करें।

न लगाएं हेयर कलर

अपने स्ट्रेट किए हुए बालों पर कभी भी मेहंदी या फिर कलर का प्रयोग न करें। यदि आपको मेहंदी या कलर लगाना ही है तो हेयर स्ट्रेटनिंग के पहले लगा लें।

न करें ज्यादा शैंपू का इस्तेमाल

स्ट्रेट बालों में ज्यादा शैंपू करने की वजह से बालों का टेक्सचर खराब होना शुरू हो जाता है। हमेशा उसी शैंपू का प्रयोग करें जो आपकी हेयर स्टाइलिस्ट ने बताया हो।

भूलकर भी न करें इन 7 चीजों के साथ दूध का सेवन

दूध एक ऐसी चीज है जिसे हर कोई पीना पसंद करता है। आखिर पौषक तत्वों से भरपूर दूध का सेवन करने से कैल्शियम, प्रोटीन सभी जरूरत तत्व मिलने के साथ शरीर का बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलती है। मगर बहुत कम लोग इस बात से परिचित होंगे कि दूध का सेवन हर चीज के साथ नहीं करना चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार, 7 ऐसी चीजें हैं जिनके साथ दूध का सेवन करने से शरीर का विकास होने की जगह नुकसान होने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है....

1. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नमक और दूध का एक साथ सेवन करना खुदकुशी करने के बराबर माना जाता है। इससे लीवर गलने की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। असल में, दूध में प्रोटीन और नमक में आयोडीन की मात्रा अधिक होने से इनका एक साथ सेवन लीवर को खराब करने का कोई करता है।

2. जिन लोगों को अपना वजन बढ़ना हो उन्हें रोजाना दूध में केले मिक्स कर बनाना शेक बनाकर पीने से लाभ मिलता है। मगर कफ से परेशान लोगों को इसका सेवन करने से बचना चाहिए।

3. दूध पीने से पहले या तुरंत बाद कच्चा प्याज खाने से स्किन इंफैक्शन होने का खतरा बढ़ता है। ऐसे में दाद व खुजली की परेशानी का सामना करना पड़ सकता हैं।

4. मछली खाने के बाद भूल से भी दूध या इससे बनी किसी चीज को खाने से बचना चाहिए। नहीं तो स्किन पर सफेद दाग पड़ सकते हैं।

5. मसालेदार भोजन के साथ या तुरंत बाद दूध पीने से पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है। इससे खाना पचाने में दिक्कतों का सामना करने के साथ पेट दर्द, जलन, गैस आदि की समस्याएं होने लगती है।

6. अक्सर लोग रात को उड़द दाल का सेवन करने के बाद दूध पी लेते हैं। मगर ऐसा करने से इन्हें पचाने में दिक्कतें आती है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

7. दूध पीने के तुरंत बाद दही, नींबू या कोई खट्टी चीजें खाने से बदहजमी होने का सामना करना पड़ सकता है। असल में, इससे पेट में जाकर दूध फट जाने से एसिडिटी, उल्टी या मतली आदि का खतरा बढ़ता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

'कंक्रीट' के जंगलों में गुम हो गई 'मंडुए की रोटी' की खुशबू

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जब पहाड़ की सुबह धूप की पहली किरणों के साथ जागती है, जब दूर कहीं गौशाला से आती घंटियों की आवाज और चूल्हे में जलती लकड़ियों की खुशबू गांव की हवा में घुलती थी, तब पहाड़ की रसोई में एक ऐसी खुशबू फैलती है, जो सिर्फ भूख नहीं मिटाती बल्कि यादों को भी जगा देती है। यह खुशबू होती है मंडुए की रोटी की। लोहे के तवे पर सिकती काली-सुनहरी मंडुए की रोटी, ऊपर से लगाया गया घर का घी और साथ में भांग की चटनी, गहत की दाल या पहाड़ी सब्जी यह सिर्फ एक भोजन नहीं, बल्कि पहाड़ की संस्कृति, मेहनत और आत्मनिर्भर जीवनशैली की पहचान है।

पहाड़ के गांवों में आज भी कई घरों की सुबह मंडुए की रोटी से शुरू होती है। बुजुर्ग महिलाओं के हाथों में मंडुए का आटा आते ही जैसे पुरानी यादें जीवंत हो उठती हैं। आटे को गूंथने से लेकर गोल रोटी बनाने तक हर प्रक्रिया में पहाड़ की परंपरा बसती है। कई लोगों के लिए मंडुए की रोटी का स्वाद बचपन की उन सुबहों की याद है, जब मां चूल्हे के पास बैठकर रोटियां सेंकती थीं और बच्चे स्कूल जाने से पहले गरम-गरम रोटी खाकर निकलते थे। आज जब शहरों की भागदौड़ में लोग पैकेट बंद भोजन की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं पहाड़ की यह साधारण सी रोटी अपने भीतर प्रकृति और अपनापन समेटे हुए है।

एक समय था जब मंडुआ पहाड़ के गरीब और मेहनतकश लोगों का मुख्य भोजन माना जाता था। पहाड़ की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में जहां गेहूं और चावल की खेती आसान नहीं थी, वहां मंडुआ किसानों का सहारा बना। कम पानी में भी उगने वाली यह फसल पहाड़ के किसानों की जीवनरेखा रही। खेतों में मेहनत करने वाले लोग मंडुए की रोटी खाकर दिनभर पहाड़ की चढ़ाई और कठिन काम करते थे। लेकिन समय बदला, जिस मंडुए को कभी पिछड़ेपन की निशानी माना जाता था, वही आज

●मंडुए की रोटी में था पहाड़ की मिट्टी की खुशबू और मां के हाथों का स्वाद

●पिज्जा-बर्गर के दौर में मंडुए की रोटी हमारे पहाड़ की है असली पहचान

●कभी थी मजबूरी की थाली, आज दुनिया के लिए है सेहत का खजाना

पोषण और स्वास्थ्य के कारण दुनिया भर में पहचान बना रहा है।

बता दें कि मंडुआ पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। इसमें फाइबर, कैल्शियम और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यही वजह है कि आज शहरों में भी लोग पारंपरिक अनाजों की ओर लौट रहे हैं। लेकिन पहाड़ के लोगों के लिए मंडुआ कोई नया फैशन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही जीवनशैली का हिस्सा है। मंडुए की रोटी की कहानी सिर्फ रसोई तक सीमित नहीं है। इसके पीछे किसान की मेहनत, पहाड़ की मिट्टी और महिलाओं का संघर्ष छिपा है।

गांव की महिलाएं मंडुआ बोने से लेकर उसे काटने, सुखाने और पीसने तक की पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पहले घरों में हाथ की चक्की से मंडुआ पीसा जाता था, जिसकी खुशबू आज भी बुजुर्गों को पुराने दिनों की याद दिलाती है। पलायन के कारण पहाड़ के कई गांव खाली हो गए, खेत बंजर होने लगे, लेकिन मंडुए ने अपनी जगह नहीं छोड़ी। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग अपने खेतों में मंडुआ उगाते हैं और नई पीढ़ी को अपनी परंपरा से जोड़ने का प्रयास करते हैं।

मंडुए की रोटी हमें याद दिलाती है कि पहाड़ की असली ताकत सिर्फ ऊंचे पहाड़ और नदियां नहीं, बल्कि वहां के लोगों की मेहनत और उनकी सादगी भी है। मंडुए की रोटी का स्वाद शब्दों में बांधना आसान नहीं। इसमें पहाड़ की ठंडी हवा है, खेतों की मिट्टी की खुशबू है, मां के हाथों का प्यार है और उस जीवन का एहसास है, जिसमें कम साधनों में भी खुशियां भरपूर थीं। आज भले ही बड़े शहरों में लोग इसे स्वास्थ्य के नाम पर अपना रहे हैं, लेकिन पहाड़ के लिए मंडुए की रोटी हमेशा से भावनाओं की रोटी रही है।

शब्द सामर्थ्य -065

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

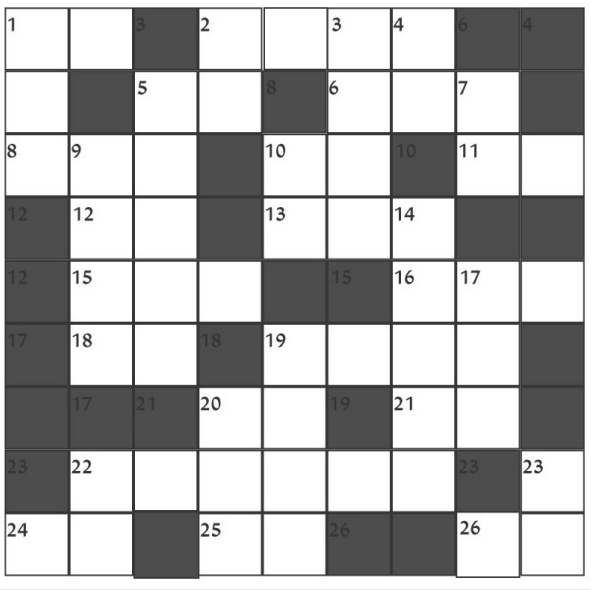

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

माइक्रोवेव में आसानी से बनाएं स्वादिष्ट पोहा, आसान है इसकी रेसिपी

पोहा एक स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ता है, जिसे सुबह के समय खाना पसंद किया जाता है। इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और यह जल्दी तैयार हो जाता है। अगर आपके पास समय की कमी है, तो आप माइक्रोवेव का उपयोग करके पोहा आसानी से बना सकते हैं। आइए जानते हैं माइक्रोवेव में पोहा बनाने का तरीका, जिससे आप कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं।

जरूरी सामग्री

पोहा बनाने के लिए आपको पतला चावल, प्याज, हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, नमक, नींबू का रस, मूंगफली, करी पत्ता और हरा धनिया जैसी चीजों की जरूरत होगी। इसके अलावा आप अपनी पसंद की सब्जियां जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च भी मिला सकते हैं। इन सामग्रियों से आप एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता बना सकते हैं, जो न केवल पेट को भरेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होगा।

पोहा भिगोएं

माइक्रोवेव में पोहा बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को पानी में भिगो दें। इसके लिए एक बड़े बर्तन में पोहे डालकर उस पर पानी डालें और उन्हें 5-10 मिनट तक भिगोने दें। इससे पोहे नरम हो जाएंगे और पकाने में आसानी होगी। ध्यान रखें कि पोहे को ज्यादा देर तक पानी में न रखें, क्योंकि इससे वे चिपचिपे हो सकते हैं और स्वाद खराब हो सकता है।

प्याज और मसाले भूनें

अब माइक्रोवेव के बर्तन में थोड़ा तेल डालकर उसे गर्म करें, फिर उसमें कटा हुआ प्याज डालें और उसे 1-2 मिनट तक भूनें जब तक कि वह नरम न हो जाए। इसके बाद इसमें कटी हुई हरी मिर्च और हल्दी पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को 2-3 मिनट तक माइक्रोवेव में पकाएं ताकि सभी मसाले अच्छी तरह से मिल जाएं और उनकी खुशबू निकलने लगे।

पोहे मिलाएं

अब भिगोए हुए पोहे को छानकर माइक्रोवेव के बर्तन में तैयार प्याज वाले मिश्रण में डालें और अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण पर नींबू का रस निचोड़ें और ऊपर से भुनी हुई मूंगफली डालें। मूंगफली पोहे को एक कुरकुरापन देती है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। आप चाहें तो इसमें और भी सब्जियां डाल सकते हैं, जैसे मटर, गाजर या शिमला मिर्च, जिससे पोहा और भी पौष्टिक बन जाएगा।

अंतिम स्टेप

अब माइक्रोवेव को मध्यम आंच पर सेट करके उसमें तैयार पोहे को 2-3 मिनट तक गर्म करें, ताकि सभी मसाले अच्छे से मिल जाएं। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकालकर ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गर्मागर्म परोसें। इस तरह से आप आसानी से माइक्रोवेव में स्वादिष्ट पोहा तैयार कर सकते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छा है। इसे अपने परिवार और दोस्तों के साथ जरूर साझा करें।

किचन के स्पंज का इस्तेमाल करते समय ध्यान में रखें ये बातें, सफाई रहेगी बरकरार

रसोई के स्पंज का इस्तेमाल बर्तन धोने के लिए किया जाता है, लेकिन इनका सही तरीके से चयन और देखभाल करना जरूरी है। सही स्पंज का चयन करने से न केवल बर्तन अच्छे से साफ होते हैं, बल्कि आपकी रसोई भी साफ-सुथरी रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने रसोई के स्पंज को लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं और उसे सही तरीके से रख सकते हैं।

सही स्पंज का चयन कैसे करें?

रसोई के स्पंज का चयन करते समय उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। बाजार में कई तरह के स्पंज मिलते हैं, लेकिन सबसे अच्छा वह होता है जो जल्दी सूख जाए और कीटाणुओं को पनपने से रोके। फोम और रबर के मिश्रण वाले स्पंज सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि वे जल्दी सूखते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इसके अलावा इनकी कीमत भी सामान्य होती है, जिससे आप आसानी से इन्हें खरीद सकते हैं।

स्पंज को साफ कैसे रखें?

स्पंज को साफ रखना बहुत जरूरी है, ताकि उसमें कीटाणु न पनप सकें। हर बार उपयोग के बाद उसे गर्म पानी से धोएं और धूप में सुखाएं। अगर संभव हो तो हफ्ते में एक बार उसे उबलते पानी में डालकर साफ करें या माइक्रोवेव में रखें। इससे सभी गंदगी और कीटाणु खत्म हो जाएंगे। इसके अलावा स्पंज को कभी भी गीला न रखें, क्योंकि गीला स्पंज कीटाणुओं के लिए अनुकूल जगह बनाता है।

कितने समय बाद बदलना चाहिए स्पंज?

स्पंज को हर 2-4 हफ्ते में बदलना चाहिए, ताकि कीटाणु पनपने का मौका न मिले। अगर स्पंज में कोई दरार या गंध आ जाए तो उसे तुरंत बदल दें। पुराने स्पंज का इस्तेमाल न करें, क्योंकि यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। सही देखभाल और नियमित बदलाव से आप अपने रसोई के स्पंज को लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं। जब वह ज्यादा पतला हो जाए तो भी उसे बदल लें।

स्पंज को कैसे स्टोर करें?

स्पंज को हमेशा सूखे स्थान पर स्टोर करें, ताकि उसमें नमी न रहे, जो कीटाणु पनपने का कारण बनती है। इसे किसी खुली जगह पर रखें, ताकि हवा आसानी से गुजर सके और नमी दूर हो सके। अगर संभव हो तो स्पंज रखने के लिए ऐसा स्थान चुनें, जहां पानी न रुके। इसके अलावा स्पंज को कभी भी गीला न रखें, क्योंकि गीला स्पंज कीटाणुओं के लिए अनुकूल जगह बनाता है।

लगातार सीखना और जमीन से जुड़े रहना ही असली विकास : सई मांजरेकर

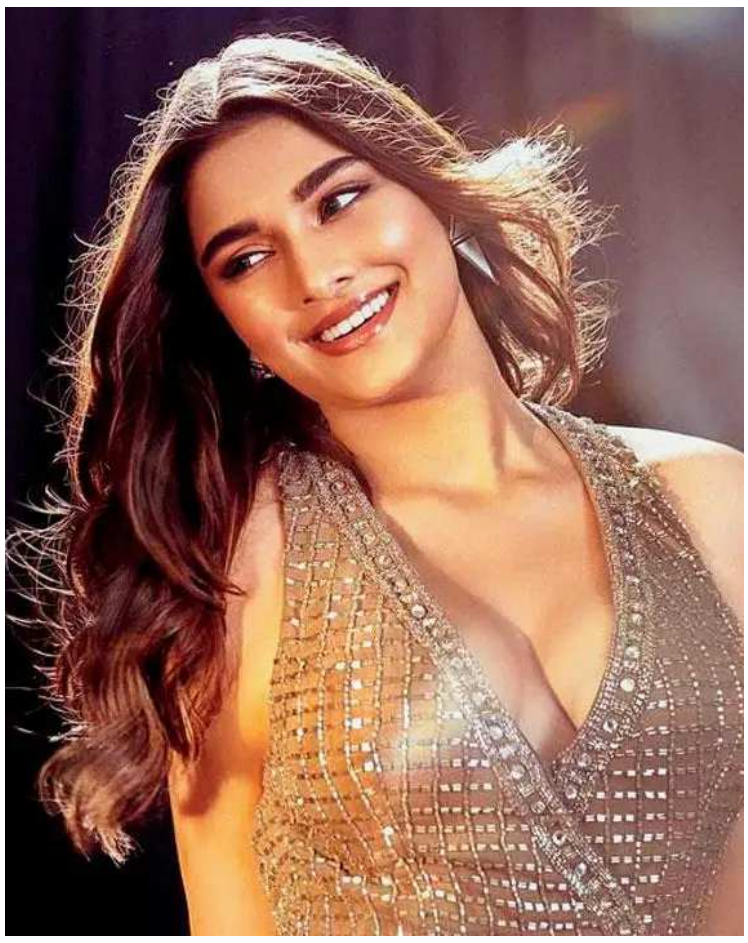

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए।

अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म अस्तित्व (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में खुशी चौटाला की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा।

अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म इंडिया हाउस में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है।

सई मांजरेकर इसमें सती नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है। फिल्म में सई के साथ निखिल सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में हैं, और दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण सुपरस्टार राम चरण की कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

साई दुर्गा तेज की नई फिल्म एसडीटी19 का ऐलान, पोस्टर भी आउट

मेगा सुप्रीम हीरो साई दुर्गा तेज एसडीटी 19 के साथ एक नई फिल्मी यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक बेजोड़ विज़ुअल अनुभव देने का वादा करती है। इसके अनाउंसमेंट पोस्टर में एक अकेला योद्धा एक विशाल खगोलीय संरचना के सामने खड़ा दिखाई देता है, जो एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है जो पैमाने में भव्य और कल्पना से भरपूर है।

इस फिल्म का निर्देशन सुजीत और संदीप ने किया है, जो अपने काम केए के लिए जाने जाते हैं। इसे साहू गारापाटी ने शाइन स्क्रीन्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। शाइन स्क्रीन्स एक ऐसा प्रोडक्शन हाउस है जिसका सफल फिल्में देने का एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। इस सहयोग ने फैंस के बीच काफी उत्साह जगा दिया है, और कई लोग एक शानदार फिल्मी अनुभव की उम्मीद कर रहे हैं।

एसडीटी 19 पौराणिक साइंस-फिक्शन और ज़ोरदार कहानी कहने के अंदाज़ का एक अनोखा मेल है, जो एक बेमिसाल सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है। साई दुर्गा तेज का किरदार काफ़ी दमदार और दिलचस्प होने की उम्मीद है, खासकर उनकी पिछली फ़िल्मों जैसे विरूपाक्ष और ब्रो में उनके शानदार अभिनय को देखते हुए।

प्रोडक्शन हाउस, शाइन स्क्रीन्स, लगातार असरदार फ़िल्में बनाता आया है, और एसडीटी 19 को भी उनकी कामयाबी में एक और मील का पत्थर माना जा रहा है। एक मज़बूत क्रिएटिव सोच और साई दुर्गा तेज जैसे ज़बरदस्त कलाकार के साथ, यह फ़िल्म एक बेहतरीन और अनोखा सिनेमाई अनुभव बनने की राह पर है। जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख़ नज़दीक आ रही है, एसडीटी 19 को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ती जा रही है; फ़ैन्स इस शानदार सिनेमाई नज़ारे को देखने के लिए बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

मंडलायुक्त ने जिला विज्ञान संग्रहालय व रामलीला मैदान का किया निरीक्षण

पौड़ी(आरएनएस)। मंडलायुक्त आनंद स्वरूप ने बृहस्पतिवार को श्रीनगर रोड स्थित निर्माणाधीन जिला विज्ञान संग्रहालय तथा 15 जून को प्रस्तावित मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला विज्ञान संग्रहालय के निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने निर्माणदायी संस्था से संग्रहालय में विकसित की जा रही वैज्ञानिक गतिविधियों, प्रदर्शनों और सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय विद्यार्थियों, युवाओं और आमजन के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा तथा निर्माण और साज-सज्जा के कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल रामलीला मैदान का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी, अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग विनोद कुमार जोशी, जिला उद्यान अधिकारी मनोरंजन भंडारी और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पार्किंग में पुलिस ने चालकों को किया जागरूक

चमोली(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के दौरान सुरक्षित व सुगम आवागमन के लिए यातायात पुलिस ने माणा पार्किंग में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यातायात निरीक्षक दिगंबर उनियाल ने बस व टैक्सी चालकों को सड़क सुरक्षा, यातायात व अन्य नियमों के बारे में जानकारी दी।

यातायात निरीक्षक ने कहा कि यात्रा के दौरान सड़कों पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है, ऐसे में वाहन चालक की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। चालक को नियंत्रित गति सीमा का पालन करने, ओवर लोडिंग से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, नशे में वाहन न चलाने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। कहा कि पहाड़ी मार्गों पर थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके अलावा परिवहन से जुड़े अन्य नियमों की भी जानकारी दी गई। कहा कि दुर्घटना की स्थिति में घायलों की मदद करना हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। समय पर दी गई मदद से किसी की जान बचाई जा सकती है। इस दौरान अपर उपनिरीक्षक मुकेश भी मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.065

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

साइबर ठगी पीड़ितों को अब घर बैठे मिलेगा होल्ड पैसा, एमआरएम पोर्टल शुरू

अल्मोड़ा(आरएनएस)। साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के पीड़ितों को राहत देने के लिए गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के अंतर्गत नया 'मनी रिस्टोरेशन मॉड्यूल' (एमआरएम) पोर्टल शुरू किया है। इस व्यवस्था के माध्यम से साइबर ठगी के शिकार लोग अब घर बैठे अपनी होल्ड कराई गई धनराशि वापस पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा ने बताया कि नई डिजिटल और पारदर्शी व्यवस्था लागू होने से पीड़ितों को धनवापसी के लिए विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पात्र व्यक्ति स्वयं ऑनलाइन रिफंड अनुरोध दर्ज कर सकेंगे और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने पर धनराशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। पुलिस के अनुसार इस सुविधा का लाभ केवल वे लोग उठा सकेंगे जिन्होंने साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल या 1930 हेल्पलाइन पर दर्ज कराई हो और 14 अंकों का पंजीकृत शिकायत संख्या प्राप्त की हो। साथ ही संबंधित मामले में अपराधियों के बैंक खातों में पीड़ित की धनराशि होल्ड कराई गई हो। जिन मामलों में आरोपी धनराशि निकाल चुके हैं, वे इस सुविधा के दायरे में नहीं आएंगे। पोर्टल पर रिफंड के लिए अलग-अलग श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। एक बैंक खाते में 50 हजार रुपये तक की होल्ड राशि अथवा अलग-अलग खातों में 50 हजार रुपये से कम की राशि के मामलों में पुलिस आख्या और इंडेम्निटी बॉन्ड के आधार पर धनवापसी की जा सकेगी। जबकि एक ही खाते में 50 हजार रुपये से अधिक की होल्ड राशि होने पर एफआईआर दर्ज होना अनिवार्य होगा। धनवापसी के लिए पीड़ित को एमआरएम पोर्टल पर जाकर अपनी शिकायत संख्या दर्ज करनी होगी। ओटीपी सत्यापन के बाद संबंधित बैंक खाते का विवरण, आईएफएससी कोड और पैन कार्ड अपलोड कर आवेदन जमा किया जा सकेगा। आवेदन के बाद एक यूनिक रिक्वेस्ट आईडी जारी होगी, जिसके माध्यम से आवेदन की स्थिति की निगरानी की जा सकेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लोगों से अपील की है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है और किसी भी बिचौलिए या दलाल के झांसे में न आएं। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर नजदीकी थाने या साइबर सेल से सहायता ली जा सकती है। उन्होंने साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की भी सलाह दी है, ताकि धनराशि समय रहते होल्ड कराई जा सके।

सड़क पर आया हाथी, आवाजाही बाधित

हरिद्वार(आरएनएस)। हरिद्वार के इक्कड़ कलां गांव के पास जंगल से निकलकर एक हाथी सड़क पर घूमने लगा। हाथी के सड़क पर आने के बाद क्षेत्र से गुजरने वाले वाहन चालकों ने अपने वाहन धीमे कर दिए। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात का संचालन बाधित हो गया। हाथी के जंगल लौटने पर यातायात सुचारु हुआ। सड़क पर घूमते हाथी को देखने के लिए मौके पर लोगों की बड़ी भीड़ जमा हो गई। गनीमत रही कि इस दौरान सड़क पर खड़े लोगों और हाथी के साथ कोई घटना नहीं हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने हाथी को सड़क पर घूमते हुए अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया। हालांकि कुछ देर सड़क पर घूमने के बाद हाथी सड़क के दूसरे किनारे पहुंच कर जंगल की तरफ बढ़ गया। हाथी के गुजरने के बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही चालू हो सकी। इसके बाद हाथी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जानवरों के नजदीक नहीं जाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील है।

श्रीनगर के 49 बूथों पर घर-घर पहुंच रहे बीएलओ

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाने और नए वोटर्स को जोड़ने के लिए श्रीनगर तहसील क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। अभियान के तहत घर-घर सत्यापन चरण शुरू हो चुका है जिसमें बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) डोर-टू-डोर जाकर लोगों से संपर्क साध रहे हैं। आठ जून से शुरू हुए इस अभियान के तहत बीएलओ प्रत्येक घर में जाकर परिवारों को गणना प्रपत्र (सर्वे फॉर्म) वितरित कर रहे हैं। इस पूरी कवायद का मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज करना, मृतकों या दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम हटाना और नाम, पते या उम्र में आवश्यक संशोधन करना है। बीएलओ की टीमें कड़ी मेहनत के साथ घर-घर दस्तक दे रही हैं। लोगों की ओर से भरे गए गणना प्रपत्र प्राप्त होने के बाद बीएलओ इस पूरे डेटा को निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड करेंगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोखड़ा के उच्चीकरण की उठी मांग

कोटद्वार(आरएनएस)। विकासखंड मुख्यालय पोखड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोखड़ा के उच्चीकरण की मांग की गई है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल को ज्ञापन भेजा है, जिसमें कहा गया है कि पूर्व में अस्पताल के उच्चीकरण की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री बीसी खंडूरी ने की थी, लेकिन अभी तक अस्पताल का उच्चीकरण नहीं पाया है। इससे क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हंस अस्पताल सतपुली एवं कोटद्वार, देहरादून जाना पड़ता है। क्षेत्रीय जनता को हो रही स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याओं के मद्देनजर जनप्रतिनिधियों ने तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उच्चीकरण करने की मांग की है। पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत, कनिष्ठ प्रमुख पोखड़ा संजय जोशी, ग्राम प्रधान एरोली बलबीर सिंह, प्रधान सिलेथ कविता रावत, प्रधान मेलगांव दीपक नेगी, मनोहर प्रसाद, जितेंद्र बिष्ट आदि की ओर से ज्ञापन भेजा गया है।

पुलिस पेंशन, पत्रकार भत्ता और एमएसपी गारंटी की मांग को लेकर भाकियू का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) ने किसानों, पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और भूमि अधिग्रहण से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने पुलिस कर्मियों के लिए पेंशन व्यवस्था लागू करने, पत्रकारों को मासिक भत्ता देने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने तथा भूमि अधिग्रहण में किसानों को बाजार दर के अनुसार मुआवजा दिए जाने की मांग उठाई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में अलकनंदा घाट के पास सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में पूर्व सैनिकों, सांसदों और विधायकों की भांति पुलिस कर्मियों को भी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि पुलिसकर्मी अपना पूरा जीवन जनता और राष्ट्र की सेवा में समर्पित करते हैं, इसलिए उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना आवश्यक है। भाकियू (महाशक्ति) ने पत्रकारों के हितों को लेकर भी मांग उठाई। संगठन का कहना है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानजनक मासिक भत्ता दिया जाना चाहिए, ताकि वे आर्थिक दबावों से मुक्त होकर निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता कर सकें। किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए संगठन ने कहा कि कृषि लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि फसलों का लाभकारी मूल्य किसानों को नहीं मिल पा रहा है। इससे खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी प्रदान की जानी चाहिए। संगठन के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार से सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों, पुलिस कर्मियों, पत्रकारों और पूर्व सैनिकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों मेंसंगीता सिंह, विष्णुदत्त त्यागी, डॉ. रविंद्र पाठक, डॉ. मंजू शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

10 हजार का ईनामी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित दस हजार के ईनामी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देशन में आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े व्यक्तियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत दून पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त अभियुक्तो के विरुद्ध लगातार बृहद स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। कोतवाली प्रेमनगर पर कुमार निशांत निवासी मुजफ्फरपुर, बिहार द्वारा तहरीर दी कि समीर त्यागी द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके साथ गाली गलौज करते हुए उन पर जान से मारने की नीयत से हमला किया, जिसमें वो

गंभीर रूप से घायल हो गये। तहरीर के आधार पर थाना प्रेम नगर पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु तत्काल पुलिस टीम का गठन कर टीम को आवश्यक निर्देश दिए गए। जिसके अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो तथा घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों से बयानों के आधार पर घटना में शामिल संदिग्धों के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना में शामिल 01 आरोपी प्रियांशु राणा पुत्र विक्रम सिंह राणा निवास गढ़ी पुख्ता जिला शामली उत्तर प्रदेश को 28 मई को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, जिससे पूछताछ के आधार पर प्रकाश में आये 02 अन्य समीर त्यागी तथा एकलव्य की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम लगातार प्रयासरत थी, उक्त दोनों आरोपियों के लगातार फरार चलने पर एसएसपी द्वारा उन पर 10 -10 हजार का इनाम घोषित किया गया। घटना में प्रकाश में आए अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों के दौरान पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर घटना में शामिल 10 हजार के ईनामी एकलव्य को डाको वाली रोड से गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

स्मैक व चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक व चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। जिसके अनुपालन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली विकासनगर पर गठित पुलिस टीमो द्वारा चेकिंग के दौरान मिली सूचना पर अलग अलग स्थानों, बस अड्डा आसन बैराज के पास ढालीपुर से नफीस पुत्र सईद को 6.81 ग्राम अवैध स्मैक तथा पीएचसी कुन्जा के पास से मारुक उर्फ काला को 212 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके विरुद्ध कोतवाली विकासनगर में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किये गए। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार मारुक उर्फ काला का पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी में जेल जाना प्रकाश में आया है। पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

भारी मात्रा में गांजे सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 7 किलो 966 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली नगर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को सर्वानंद घाट पार्किंग क्षेत्र स्थित खाली प्लॉट से झुग्गी बस्ती की ओर जाते समय एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 7.966 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रमोद साहनी पुत्र रामबिलास साहनी निवासी खुड़बुड़ा मोहल्ला, कांवली रोड, कोतवाली नगर, जनपद देहरादून तथा वर्तमान पता बंगाली बस्ती, मोतीचूर, थाना रायवाला, जिला देहरादून बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील

डीएम ने रवाना किया मतदाता जागरूकता रथ

संवाददाता

देहरादून। मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत आईटी पार्क, देहरादून में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने की। इस अवसर पर उन्होंने मतदाता जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रथ जनपद के विभिन्न वार्डों एवं क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को विशेष पुनरीक्षण अभियान की जानकारी देंगे तथा पात्र नागरिकों को अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए प्रेरित करेंगे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. चौहान ने जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों से विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण का अभियान 7 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है।

इस दौरान सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे, जबकि मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को निर्धारित समयावधि में पूर्णत: अद्यतन और त्रुटिरहित बनाया जाना है। इसी क्रम में 8 जून से 7 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं संकलन कर रहे हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नये पात्र नागरिकों के आवेदन फार्म-6 भी स्वीकार किए जा रहे हैं, ताकि वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें। उन्होंने जानकारी दी कि जनपद देहरादून की 10 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1,882 मतदेय स्थल हैं तथा 13,76,813 मतदाता पंजीकृत हैं। अब तक 6,60,308 मतदाताओं, अर्थात लगभग 47.96 प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। साथ ही गणना प्रपत्रों के संकलन और डिजिटाइजेशन का कार्य भी तेजी से जारी है तथा अब तक 35,476 गणना प्रपत्र डिजिटाइज किए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान फास्ट ट्रैक मोड में संचालित किया जा रहा है। इसलिए सभी मतदाता अपने बीएलओ को सहयोग प्रदान करते हुए गणना प्रपत्र समय पर भरकर जमा करें, ताकि मतदाता सूची का शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक उत्तराखंड निर्वाचन आयोग के ईसीआई-नेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से मतदाता संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ''बुक ए कॉल विद बीएलओ'' सुविधा के जरिए संबंधित बीएलओ से सीधे संपर्क किया जा सकता है। मतदाता सहायता के लिए निर्वाचन आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है। स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी ने जागरूकता गोष्ठी में उपस्थित सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान स्वीप कार्यक्रम के नोडल/मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढ़ौडियाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र प्रसाद देवली, पार्षद संजीव बंसल, पार्षद अभिषेक पंत, बूथ लेवल ऑफिसर एवं बडी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

बिजली चोरी में मुकदमा

देहरादून। बिजली चोरी करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी एसआईएस कारगी के अवर अभियंता अनिल कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने आजाद विहार बंजरावाला में मुनीर अहमद के मकान पर छापा मारा तो वहां पर एल टी लाईन पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार काले की ढाल निवासी प्रदीप कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया को उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने नवनियुक्त शिक्षा निदेशक से की भेंट

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन, क्षत्रिय चेतना मंच, संकल्प शिक्षण समिति आदि विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उत्तराखंड की नवनियुक्त शिक्षा निदेशक आकांक्षा कोड़े से उनके कार्यालय में मुलाकात कर पुष्प भेंट किए तथा पद ग्रहण करने पर उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर संकल्प शिक्षण एवं कल्याण समिति के संस्थापक अध्यक्ष शिक्षाविद,काउंसलर एडवोकेट तथा वरिष्ठ समाजसेवी रवि सिंह नेगी तथा श्रीमती अनीता नेगी वी अन्य शिक्षाविदों के अनुभवों के आधार पर उत्तराखंड के सरकारी व प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा के सुधार हेतु चर्चा की तथा आवश्यक कदम उठाने के लिए सुझावों का पत्र सौंपा जिसमें शिक्षा सुधार के अलावा अन्य मुद्दों के

साथ प्रदेश में प्राइवेट स्कूलों की बढ़ती मनमानी- जैसे बेतहाशा फीस वृद्धि, किताबें स्टेशनरी वी यूनिफॉर्म जैसी आवश्यक सामग्री की खरीद पर स्कूलों का कंट्रोल प्रति वर्ष अभिभावकों से ली जाने वाली स्कूल बिल्डिंग फीस व एडमिशन फीस तथा सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकों के की अनिवार्यता तथा अन्य सहायक पुस्तकों पर रोक के अलावा स्कूल में पढ़ाई के स्तर में बदलाव, जिससे बच्चे ट्यूशन व कोचिंग सेंटर ना जाकर सेल्फ स्टडी हेतु प्रेरित हो तथा अपनी विश्लेषणात्मक तथा तार्किक शक्ति का इस्तेमाल व विकास करें। इसके अलावा स्कूलों में सामाजिक बोध व बागवानी तथा बच्चों द्वारा अपनी कक्षा व स्कूल परिसर की साफ सफाई की शिक्षा को अनिवार्य रूप से स्कूल पाठ्यक्रम में जोड़ना है।प्रतिनिधिमंडल में एडवोकेट रवि सिंह नेगी,अशोक वर्धन सिंह,अनिता नेगी, राजीव पंवार तथा सुरिंदर सिंह तोमरडॉ. दिनेश सक्सेना,विनोद नौटियाल,दिनेश भंडारी,उमेश्वर सिंह रावत,ठाकुर शेर सिंह,डॉ.राकेश डंगवाल,गिरीश चंद्र भट्ट, अवधेश शर्मा यहां शामिल थे।

उत्तराखंड में 'मोदी ब्रांड' के सहारे भाजपा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 भले ही अभी दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने को एक बड़े राजनीतिक अभियान में बदल चुकी है। प्रदेश के हर जिले में कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा न केवल केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिना रही है, बल्कि 2027 के चुनाव के लिए माहौल बनाने की कोशिश भी कर रही है। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक, जिला प्रभारी और संगठन के पदाधिकारी लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। जनसभाएं, संवाद कार्यक्रम, लाभार्थी सम्मेलन, चौपाल और प्रेस वार्ताओं के माध्यम से भाजपा जनता के बीच यह संदेश देने में जुटी है कि उत्तराखंड के विकास की कहानी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व से जुड़ी हुई है।

भाजपा की रणनीति का केंद्र बिंदु मोदी ब्रांड है। पार्टी अच्छी तरह जानती है कि उत्तराखंड में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता आज भी उसके सबसे मजबूत राजनीतिक हथियारों में से एक है। केदारनाथ धाम से प्रधानमंत्री मोदी का भावनात्मक जुड़ाव, चारधाम परियोजनाओं में केंद्र की भूमिका और सीमांत क्षेत्रों के विकास को भाजपा चुनावी नैरेटिव का हिस्सा बना रही है। भाजपा का सबसे बड़ा फोकस उन लाखों लोगों पर है जो केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, हर घर जल और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को पार्टी अपने सबसे मजबूत समर्थक वर्ग के रूप में देख रही है।

संगठन की ओर से बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वह लाभार्थियों से संपर्क करें और उन्हें केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ भाजपा की नीतियों से जोड़ें। यही कारण है कि हाल के कार्यक्रमों में लाभार्थी सम्मेलन प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा अभी से चुनावी विमर्श अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास कर रही है। पार्टी चाहती है कि 2027 का चुनाव स्थानीय असंतोष, बेरोजगारी, पलायन और महंगाई जैसे मुद्दों के बजाय विकास, राष्ट्रवाद और मोदी नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमे।

●उत्तराखंड में भाजपा ने गांव-गांव तक पहुंचा दिया चुनावी संदेश
●भाजपा की प्रदेश में मोदी लहर को फिर से बनाने की है कवायद
●मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर प्रदेशभर में हो रहे हैं कार्यक्रम
●मंत्री, विधायक और संगठन पदाधिकारी जिलों में कर रहे जनसंपर्क
●लाभार्थी सम्मेलनों के जरिए वोटरों तक पहुंचने की बनी है रणनीति
●विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर चुनावी माहौल बनाने की कोशिश

भाजपा नेताओं के भाषणों में लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि उत्तराखंड में सड़क, रेल, स्वास्थ्य और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, ऑल वेदर रोड, केदारनाथ पुनर्निर्माण, मानसखंड मंदिर माला मिशन और सीमांत गांवों के विकास को उपलब्धियों के रूप में गिनाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यों को भी प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से जोड़कर प्रस्तुत कर रही है। समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, सख्त भू-कानून और निवेश को बढ़ावा देने जैसे फैसलों को डबल इंजन सरकार की सफलता के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। पार्टी नेतृत्व मानता है कि यदि केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को एक साथ जनता के सामने रखा जाए तो इसका राजनीतिक लाभ 2027 में मिल सकता है।

भाजपा के इस व्यापक अभियान ने कांग्रेस की चिंता भी बढ़ा दी है। कांग्रेस लगातार बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति और भर्ती घोटालों जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। लेकिन भाजपा की कोशिश है कि चुनावी बहस को राष्ट्रीय नेतृत्व और विकास के मुद्दों पर केंद्रित रखा जाए। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और मोदी की लोकप्रियता है, जबकि कांग्रेस अभी भी संगठनात्मक मजबूती और नेतृत्व के सवालों से जूझती दिखाई देती है।

भाजपा के कार्यक्रमों की श्रृंखला को राजनीतिक गलियारों में विधानसभा चुनाव 2027 के लिए शुरुआती चुनावी अभियान के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जा रहा है, बूथ समितियों को मजबूत बनाया जा रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से युवा मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति पर काम चल रहा है। स्पष्ट है कि भाजपा उत्तराखंड में 2027 की चुनावी लड़ाई को केवल राज्य सरकार के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रखना चाहती। पार्टी का पूरा जोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल, केंद्र सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय नेतृत्व की छवि को चुनावी मुद्दा बनाने पर है। आने वाले महीनों में यह अभियान और तेज होने की संभावना है, क्योंकि भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतर चुकी है।

दो पिस्टल व 31 कारतूसों के साथ दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने दो पिस्टल व 31 कारतूसों के साथ दो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार फर्जी शस्त्र लाइसेंस प्रकरण में एसटीएफ बेहद गहनता और पेशेवर तरीके से जांच कर रही है। जांच में जिसकी भी संलिप्तता सामने आएगी, उसकी जगह जेल की सलाखों के पीछे होगी। एसटीएफ द्वारा की गई गहन जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर जनपद ऊधमसिंहनगर के थाना कोतवाली काशीपुर में मुकदमा दर्ज करायी गयी थी। उक्त मुकदमे की जांच के दौरान देर रात्रि एसएसपी एसटीएफ के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए एसटीएफ टीम ने जनपद ऊधमसिंहनगर के सितारगंज-रुद्रपुर क्षेत्र में दबिश देकर दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड ने बताया कि वर्ष 2026 के प्रारम्भ से ही राज्य में फर्जी शस्त्र लाइसेंस धारकों तथा कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अवैध शस्त्र लाइसेंस तैयार करने वाले गिरोहों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पिछले लगभग एक माह से एसटीएफ की टीमें इस पूरे नेटर्वक की परत-दर-परत जांच में जुटी हुई थीं। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट एवं संकलित साक्ष्यों के आधार पर काशीपुर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत कराया गया, जिसके बाद एसटीएफ लगातार एक के बाद एक प्रभावी काग्रवाई करते हुए इस संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करने में लगी हुई है। एसएसपी एसटीएफ ने कहा कि फर्जी शस्त्र लाइसेंस और अवैध हथियारों का यह खेल केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज और राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एसटीएफ इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाएगी। जांच में जिस किसी व्यक्ति, दलाल, लाइसेंस धारक अथवा सहयोगी की भूमिका सामने आएगी, उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक काग्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। अब तक की एसटीएफ काग्रवाई राज्य के विभिन्न जनपदों में 03 मुकदमें दर्ज कर 09 आरापियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे गए 14 अवैध शस्त्र बरामद 341 कारतूस बरामद बड़ी संख्या में संदिग्ध एवं फर्जी शस्त्र लाइसेंस बरामद किये गये। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम करनजीत सिंह पुत्र नाजर सिंह, निवासी ग्राम भुड़िया कॉलोनी, थाना बहेड़ी, जनपद बरेली (उ0प्र0), हाल निवासी/संचालक रेस्टोरेंट सरदार जी, सितारगंज, ऊधमसिंहनगर व विक्रमजीत सिंह तूर पुत्र अजयपाल सिंह, निवासी नियर मंडी, सितारगंज, जनपद ऊधमसिंहनगर बताये।

पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने महान निशानेबाज व पद्मश्री जसपाल राणा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए उनके पिता नारायण सिंह राणा और परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

'मीडिया संवाद में संवाद गायब'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित मीडिया संवाद कार्यक्रम अब राजनीतिक और पत्रकारिता जगत में चर्चा का विषय बन गया है। कार्यक्रम में पत्रकारों को आमंत्रित तो किया गया, लेकिन जिस तरह पूरा आयोजन संचालित हुआ, उसने संवाद और प्रेस कान्फ्रेंस की परंपराओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् से हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को विस्तार से रखा। केंद्र सरकार की योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों पर करीब एक घंटे तक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान हुआ और आयोजन समाप्त घोषित कर दिया गया। लेकिन पूरे कार्यक्रम के दौरान सबसे अधिक जिस बात की चर्चा रही, वह थी पत्रकारों के सवालों के लिए मंच का न खुलना। आमतौर पर मीडिया संवाद या प्रेस वार्ता का उद्देश्य पत्रकारों और सत्ता पक्ष के बीच प्रत्यक्ष संवाद माना जाता है, जहां पत्रकार जनहित से जुड़े प्रश्न पूछते हैं और सरकार या संगठन अपना पक्ष रखता है। लेकिन इस आयोजन में संवाद की जगह एकतरफा प्रस्तुति देखने को मिली।

●सवालों से दूरी या संवाद का नया मॉडल, भाजपा मुख्यालय के मीडिया संवाद पर उठे सवाल
●पत्रकारों को बुलाया, उपलब्धियां सुनाई, राष्ट्रगान और कार्यक्रम समाप्त, कोई सवाल-जवाब नहीं

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। आलोचकों का कहना है कि यदि पत्रकारों को केवल उपलब्धियां सुनाने के लिए बुलाया जाए और उनसे सवाल पूछने का अवसर ही न दिया जाए, तो ऐसे कार्यक्रम का स्वरूप मीडिया संवाद कम और प्रचार कार्यक्रम अधिक प्रतीत होता है। वरिष्ठ पत्रकारों का मानना है कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका केवल सूचना ग्रहण करने की नहीं, बल्कि सत्ता से जवाब मांगने की भी होती है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं का कहना है कि यदि सरकार और संगठन अपने कामकाज को लेकर आश्वस्त हैं तो उन्हें पत्रकारों के सवालों से परहेज नहीं होना चाहिए। विपक्ष इसे संवाद से अधिक एकतरफा संप्रेषण की संज्ञा दे रहा है।

हालांकि भाजपा नेताओं का तर्क है कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा करना था और यह एक विशेष प्रस्तुति थी, न कि पारंपरिक प्रेस कान्फ्रेंस। पार्टी का कहना है कि मीडिया के साथ नियमित रूप से संवाद और प्रेस वार्ताएं होती रहती हैं। फिर भी देहरादून में हुए इस आयोजन ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।